अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 61 श्री विजय पुरम, मंगलवार, 03 मार्च 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

अण्डमान में तेल अन्वेषण से भारत 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ सकता है : उप राज्यपाल, अ. तथा नि. द्वीपसमूह

एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप के लिए 82,450 करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इन परियोजनाओं में ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक विद्युत संयंत्र तथा प्रस्तावित टाउनशिप शामिल हैं।

अण्डमान बेसिन में तेल अन्वेषण भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा दे सकता है और देश को 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे ले जा सकता है। एडमिरल डी.के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.), माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी (आईडीए) ने यह बात कही। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित 30वें कर्नल प्यारा लाल स्मृति व्याख्यान में "अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का विकासः चुनौतियाँ और आवश्यकताएँ" विषय पर संबोधित करते हुए द्वीपसमूह में चल रही प्रमुख विकास पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने कहा, "हम 6 लाख वर्ग किलोमीटर के 'नो–गो ज़ोन' क्षेत्र में से 63.5 प्रतिशत क्षेत्र को तेल अन्वेषण के लिए मुक्त कराने में सफल रहे हैं। अण्डमान बेसिन को 'गुयाना जैसी संभावनाओं' वाला बताया गया है, जो भारत की अर्थव्यवस्था को 4 ट्रिलियन डॉलर से 20 ट्रिलियन डॉलर की

दिशा में अग्रसर कर सकता है।" उप राज्यपाल, जो द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि द्वीपसमूह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता, नवाचार और नागरिक सशक्तिकरण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है।

उन्होंने बताया कि ग्रेट निकोबार स्थित गैलेथिया बे को भारत का 13वां प्रमुख बंदरगाह अधिसूचित किया गया है। इस परियोजना को सार्वजनिक–निजी साझेदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (आईसीटीटी) शामिल होगा।

उन्होंने कहा कि द्वीपों को हिंद–प्रशांत क्षेत्र में जहाज़ मरम्मत एवं जहाज़ निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना भी एक महत्वपूर्ण पहल है, जो इस क्षेत्र की सामरिक समुद्री स्थिति का लाभ उठाएगी।

उप राज्यपाल ने आगे कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप के लिए 82,450 करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनमें ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक विद्युत संयंत्र तथा प्रस्तावित टाउनशिप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये पहलें समुद्री व्यापार, संपर्कता और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करेंगी तथा भारत के भू–सामरिक और आर्थिक हितों को आगे बढ़ाने में बलवर्धक सिद्ध होंगी। (स्रोत : **https://energy.economictimes.indiatimes.com/**)

कलकत्ता उच्च न्यायालय की सर्किट कोर्ट 9 मार्च से

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

रेजिस्ट्रार से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तिर्थांकर घोष व चैताली चटर्जी (दास), माननीय न्यायाधीश, कलकत्ता उच्च न्यायालय 9 मार्च से 23 मार्च, 2026 (दोनों दिन सहित) तक पोर्ट ब्लेयर में सर्किट कोर्ट का संचालन करेंगे।

एस्ट्रो गाइड हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आज

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

14 फरवरी, 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के क्रम में पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा एस्ट्रो गाइड्स के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण लिटिल अण्डमान में 5 से 7 मार्च, 2026 तक तथा उत्तर व मध्य अण्डमान के मयाबंदर में 10 से 12 मार्च, 2026 तक आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य एस्ट्रो–टूरिज़्म के क्षेत्र में स्थानीय क्षमता निर्माण करना है, जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को रात्रि आकाश अवलोकन, खगोल विज्ञान की मूलभूत जानकारी, दूरबीन संचालन, व्याख्या तकनीक तथा ज़िम्मेदार एस्ट्रो–टूरिज़्म व्यवहार संबंधी आवश्यक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान किए जाएंगे। यह पहल द्वीपों में सतत एवं अनुभव–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटन

शेष पृष्ठ 4 पर

हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग के दौरान साहस दिखाने वाले वनकर्मियों का सम्मान

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

पर्यावरण एवं वन विभाग के अंतर्गत वन्यजीव प्रभाग, मयाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान के मजदूरों को तोता टेकरी, मायाबंदर के समीप समुद्र में हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग के दौरान साहस एवं तत्परता से अनमोल जीवन बचाने के लिए आज सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी, 2026 को प्रातःकाल पवन हंस लिमिटेड का एक हेलीकॉप्टर रंगत हेलिपैड से मायाबंदर की ओर जाते समय समुद्र में आपात लैंडिंग करने को विवश हुआ। संयोगवश वन्यजीव प्रभाग, मायाबंदर की एक इंजन डिंगी आवश्यक सामग्री लेकर इंटरव्यू आइलैंड प्रोटेक्शन कैंप की ओर जा रही थी, जिसमें वन विभाग के दैनिक वेतनभोगी मजदूर सॉ सकारी, सॉ थॉमस एवं सॉ मनाशे एक पुलिस कर्मी के साथ सवार थे। उन्होंने घटना होते देख तत्काल अपने कैंप अधिकारी को सूचित किया और निर्देश मिलते ही बिना विलंब सहायता के लिए अपनी नाव घटनास्थल की ओर मोड़ दी। अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए टीम ने एक शिशु सहित सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर

निकाल लिया। उनके उत्कृष्ट सेवा भाव एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना हेतु वन सदन, हैडो, श्री विजय पुरम के समिति कक्ष में आयोजित समारोह में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा तीनों डीआरएम (दिहाड़ी मजदूर) को सम्मानित किया गया।

होली उत्सव के उपलक्ष्य में अण्डमान क्लब में मनमोहक 'फाग' कार्यक्रम का आयोजन

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

होली उत्सव के तहत कला एवं संस्कृति निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने 'पंख' एनजीओ के सहयोग से आज अण्डमान क्लब में 'फाग गीत–होली की उमंग' शीर्षक से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर 'होली के पकवान' प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। द्वीपों के सांस्कृतिक समूहों के कलाकारों ने ढोलक, मंजीरा एवं हारमोनियम जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में मधुर एवं ऊर्जावान फाग गीत प्रस्तुत किए। लयबद्ध संगीत, रंग–बिरंगे पारंपरिक परिधान एवं उत्साहपूर्ण गायन ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। दर्शकों ने तालियां बजाकर, धुनों के साथ गुनगुनाकर और लोकगीतों पर झूमकर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। यह आयोजन सामूहिक उल्लास का प्रतीक बन गया, जहां विभिन्न समुदायों के लोग एकत्र होकर होली की सांस्कृतिक समृद्धि का आनंद लेते नज़र आए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त पूर्वा गर्ग (आईएएस) ने कहा कि रंगों का यह पर्व विविध समुदायों के बीच एकता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करता है। 'होली के पकवान' प्रतियोगिता में एन. सुधा कुमारी को प्रथम, सुनीता बनर्जी को द्वितीय तथा शुभावती सिंह को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इससे पूर्व निदेशक, कला एवं संस्कृति, सुश्री प्रियंका कुमारी ने उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा सहायक निदेशक, कला एवं संस्कृति ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

दक्षिण अण्डमान की पंचायतों में 7 और 8 मार्च को होगी जनसुनवाई

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

दक्षिण अण्डमान ज़िले के उपायुक्त द्वारा जारी विज्ञप्ति में आम जनता एवं ग्राम पंचायत सीपीघाट, कालीकट, वंडूर, गुप्तापाड़ा एवं हम्फ्रीगंज के पीआरआई सदस्यों के संज्ञान में लाया गया है कि 25 फरवरी, 2026 को आयोजित 'दिशा' बैठक में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद की इच्छा के अनुरूप दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन द्वारा कार्यक्रमानुसार जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

व 7 मार्च 2026 को कम्युनिटी हॉल, सीपीघाट (ग्राम पंचायतः कालीकट एवं सीपीघाट), 8 मार्च, 2026 को कम्युनिटी हॉल, वंडूर (ग्राम पंचायतः वंडूर, गुप्तापाड़ा एवं हम्फ्रीगंज) ग्राम पंचायतों की आम जनता की शिकायतों के निवारण हेतु जनसुनवाई सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगी। सभी पीआरआई सदस्यों एवं ग्रामवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित कार्यक्रमानुसार उपस्थित हों। जनसुनवाई से पूर्व ज़िला स्वास्थ्य समिति, दक्षिण अण्डमान द्वारा स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से संबंधित स्थलों पर सुबह 7 बजे से सुबह 8 बजे तक योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों एवं आम जनता से कार्यक्रम में सहभागिता का अनुरोध किया गया है। योग कार्यक्रम के उपरांत विभिन्न विभागों के अधिकारियों की टीम आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) एवं अन्य विभागीय अवसंरचनाओं का निरीक्षण करेगी। इसके पश्चात निर्धारित कार्यक्रमानुसार जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

कार्बाइन्स कोव तट पर भव्य 'बीच होली' का आयोजन 4 मार्च को

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

पर्यटन विभाग द्वारा 4 मार्च को सुबह 9 बजे से यहां के लोकप्रिय कार्बाइंस कोव तट पर "बीच होली" के 10वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। "विटामिन सी (समुद्र) और विटामिन जी (गुलाल)" की आकर्षक थीम के साथ यह आयोजन द्वीपों में शांति एवं भाईचारे का संदेश देने का उद्देश्य रखता है। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक फाग गीतों से होगी, जिन्हें ऑल्फा म्यूज़िकल ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके पश्चात फ्रेंड कल्चरल ग्रुप तथा द्वीपों के बीआरडब्ल्यू विंग द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला है तथा आम जनता

से रंगों के इस उत्सव को सौहार्दपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण में मनाने हेतु सहभागिता का आग्रह किया गया है।

49वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन का सफल समापन

श्री विजय पुरम, 2 फरवरी

यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) तथा हिन्दी साहित्य कला परिषद, श्री विजय पुरम के संयुक्त तत्वावधान में 49वें अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन का भव्य एवं सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश–विदेश से पधारे हिन्दी के प्रख्यात विद्वानों, साहित्यकारों एवं शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अपने उद्बोधन में उन्होंने नागरी लिपि के संरक्षण, संवर्धन और उसके वैश्विक महत्व पर प्रकाश डाला तथा हिन्दी विभाग को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। साथ ही हिन्दी विभाग की सहआचार्य डॉ. लीलामणि द्वारा स्वागत समारोह का संचालन किया

गया। दो दिवसीय इस सम्मेलन के अंतर्गत पंचम से अष्टम तक कुल चार सत्रों का सुव्यवस्थित आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। प्रथम सत्र का सफल संचालन श्रीमती रेखा रानी रॉय (नेपाल) द्वारा किया गया, जिससे सत्र की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने में विशेष योगदान मिला तथा इस सत्र की अध्यक्षता हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने की।

शेष पृष्ठ 4 पर

बाराटांग में अग्निशमन सेवा की त्वरित कार्रवाई से बड़ा नुकसान टला

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

बीते 1 मार्च, 2026 की सायंकालीन अवधि में मध्य अण्डमान के बाराटांग के सुंदरगढ़ क्षेत्र में स्थित मेसर्स मोहन मुथा इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के बिटुमेन हीटिंग प्लांट में भीषण आग लग गई। 20 टन क्षमता वाला यह प्लांट तेज लपटों से घिर गया था, जिससे आसपास के क्षेत्रों में आग फैलने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग–04 के निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया था। सूचना मिलते ही अग्निशमन सेवा के कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पानी के टैंकर एवं मल्टी–यूटिलिटी वाहन आवश्यक अग्निशमन उपकरणों सहित मौके पर रवाना किए। अभियान का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक एस. सुब्बा राज ने किया तथा टीम में सहायक उप निरीक्षक जी. अजीत कुमार, प्रधान आरक्षी अजय

शेष पृष्ठ 4 पर

कार निकोबार के मूस गांव में मोबाइल लाइब्रेरी का शुभारंभ

कार निकोबार, 2 मार्च।

दूरस्थ क्षेत्रों में ज्ञान की पहुंच सुदृढ़ करने एवं पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज बिशप हाउस, कार निकोबार के समीप मूस गांव में मोबाइल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। यह पहल शिक्षा निदेशालय द्वारा सफलतापूर्वक लागू की गई है, जो समावेशी शिक्षा एवं सामुदायिक विकास के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मोबाइल लाइब्रेरी के संचालन हेतु आवश्यक बस परिवहन विभाग, कार निकोबार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। उद्घाटन अवसर पर श्री अमित काले (आईएएस), उपायुक्त, निकोबार ज़िला ने पुस्तकों की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि विशेषकर बच्चों में ज्ञान, मूल्यों एवं समालोचनात्मक सोच के विकास में पठन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शिक्षा अधिकारी, निकोबार अंचल श्री स्वपन पैक ने मोबाइल लाइब्रेरी के उद्देश्यों की जानकारी दी।

ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाणपत्र हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

समाज कल्याण निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने सूचित किया है कि केंद्रशासित प्रदेश में निवासरत ट्रांसजेंडर व्यक्ति भारत सरकार के नामित ट्रांसजेंडर पोर्टल के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के अंतर्गत ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह प्रमाणपत्र लैंगिक पहचान को कानूनी मान्यता प्रदान करता है तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं लाभों तक पहुंच सुनिश्चित करता है। पात्र व्यक्ति ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करें। किसी भी सहायता के लिए संबंधित उपायुक्त कार्यालय अथवा समाज कल्याण निदेशालय से संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने पंचायती राज संस्थाओं, सामुदायिक नेताओं एवं नागरिक समाज के सदस्यों से जागरूकता फैलाने एवं पात्र व्यक्तियों को लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करने की अपील की है।

राष्ट्रीय अंडर–17 शतरंज चैम्पियनशिप हेतु चयन ट्रायल 14 मार्च को

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

35वीं राष्ट्रीय अंडर–17 शतरंज चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन 30 मार्च, 2026 से अहमदाबाद, गुजरात में किया जाएगा। इस संबंध में अण्डमान निकोबार शतरंज एसोसिएशन (एएनसीए) द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। चयन ट्रायल 14 मार्च, 2026 को एएनसीए चेस सेंटर, डेयरी फार्म, श्री विजय पुरम में आयोजित होंगे। 1 जनवरी, 2008 या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी ट्रायल में भाग लेने के पात्र हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक खिलाड़ी 12 मार्च, 2026 तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए कार्यालय कार्यकारी, एएनसीए से 9933217055 पर संपर्क करें या **anchessassociation@gmail.com** पर ईमेल करें।

महिला दिवस पर खेल प्रतियोगिताएं

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2026 के अवसर पर खेल एवं युवा कार्य विभाग द्वारा शिक्षा विभाग तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से 7 एवं 8 मार्च, 2026 को सुबह 8.30 बजे से सायं 5 बजे तक नेताजी स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होंगी। इच्छुक प्रतिभागी 7 मार्च, 2026 को सुबह 8 बजे तक श्रीमती शमाली बैरागी, पीईटी, के मोबाइल नंबर 9531807157 पर संपर्क कर अपना पंजीकरण करा सकती हैं। प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार है: 18 वर्ष से अधिक एवं 30 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए–100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, 1.6 किलोमीटर साइकिल रेस, 50 मीटर बैक रन तथा 50 मीटर बोरा दौड़। 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए–100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 1200 मीटर वॉक, 50 मीटर स्पून रेस तथा 1.6 किलोमीटर साइकिल रेस। सभी आयु वर्ग के लिए–रस्साकशी, बॉल पासिंग एवं म्यूज़िकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके अतिरिक्त खेल एवं युवा कार्य विभाग की ज़ुम्बा कक्षा की महिलाओं द्वारा एरोबिक एवं ज़ुम्बा प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया जाएगा।

बी.एड. एवं बी.एससी नर्सिंग (पीबी) के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जनवरी, 2026 सत्र के लिए बी.एड. एवं बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 मार्च, 2026 सायं 6 बजे तक कर दी है। अभ्यर्थियों को नवीनतम जानकारी हेतु इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है। छात्र त्वरित एवं प्रामाणिक सूचना के लिए इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र, फेसबुक पेज इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र, श्री विजय पुरम एवं इंस्टाग्राम (**ignourcportblair**) से भी जुड़ सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, वीआईपी रोड, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के सामने, श्री विजय पुरम–744103 या लैंडलाइन नंबर 03192–230111/242888, ईमेल **rcportblair@ignou.ac.in** से संपर्क किया जा सकता है।

49वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन

पृष्ठ 1 का शेष

प्रपत्र वाचकों में श्रीमती शिबानी राजभूषण, डॉ. दीपाली कुजूर, सुश्री अमिता टेटे ने भी अपने–अपने शोध पत्रों का अत्यंत प्रभावशाली एवं सारगर्भित वाचन किया। इसी क्रम में महाविद्यालय के परास्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों प्रसंजित सरकार एवं भाग्यलक्ष्मी तथा स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा सुष्मिता विश्वास ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। उनके वक्तव्य निःसंदेह ऊर्जा, सकारात्मकता और नवचिंतन से परिपूर्ण थे, जिन्होंने सम्मेलन में युवा पीढ़ी की सक्रिय बौद्धिक भागीदारी का सशक्त परिचय दिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रेमचंद पातंजलि (अध्यक्ष नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली) द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने नागरी लिपि की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वर्तमान प्रासंगिकता और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग से यह सम्मेलन अत्यंत सफल एवं स्मरणीय सिद्ध हुआ। निस्संदेह, यह आयोजन नागरी लिपि के प्रचार–प्रसार तथा हिन्दी भाषा के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी कदम है।

बाराटांग में अग्निशमन सेवा

पृष्ठ 1 का शेष

शंकर यादव, एस. सुगुमारन एवं द्विपंकर मंडल शामिल थे। उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार घने धुएं और अत्यधिक गर्मी के बीच टीम ने साहस और समन्वय का परिचय देते हुए उपलब्ध संसाधनों का रणनीतिक उपयोग कर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। लगभग आधे घंटे के भीतर आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। करीब 80 लाख रुपये की संपत्ति को बचा लिया गया तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। समय पर की गई इस कार्रवाई से महत्वपूर्ण अवसंरचना कार्य बिना बाधा जारी रह सका और अग्निशमन दल की तत्परता एवं समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

एस्ट्रो गाइड हेतु कौशल विकास

पृष्ठ 1 का शेष

गतिविधियों में विविधता लाने के प्रयासों का हिस्सा है। इच्छुक स्थानीय युवा, पर्यटन हितधारक एवं प्रकृति प्रेमी इस अवसर का लाभ उठाकर एस्ट्रो–टूरिज़्म में उभरते आजीविका अवसरों का अन्वेषण कर सकते हैं। पात्रता मानदंड के अनुसार अभ्यर्थी की आयु 1 मार्च, 2026 को 40 वर्ष से कम होनी चाहिए तथा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी पर्यटन विभाग की वेबसाइट **tourism.andamannicobar.gov.in** से आवेदन प्रपत्र डाउनलोड कर 3 मार्च, 2026 को शाम 3 बजे तक योजना अनुभाग, पर्यटन निदेशालय में जमा कर सकते हैं।

होली पर्व के अवसर पर कार्बाइंस कोव क्षेत्र में यातायात व्यवस्था संबंधी आदेश जारी

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (अधिनियम संख्या 59, 1988) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों तथा प्रशासन की अधिसूचना संख्या 32–95/2008–टीआर दिनांक 10 मार्च, 2008 के अनुपालन में तथा होली उत्सव के दौरान कार्बाइंस कोव तट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्र होने की संभावना को देखते हुए, दक्षिण अण्डमान ज़िले के ज़िलाधीश द्वारा वाहनों की सुचारु आवाजाही एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आदेश जारी किए जाते हैं:

वन–वे व्यवस्था:

1. कार्बिन चौक जंक्शन से कार्बाइंस कोव होते हुए मज़ार पहाड़ तक का मार्ग वन–वे घोषित किया जाता है। इस मार्ग पर प्रवेश केवल कार्बिन चौक जंक्शन से ही अनुमत होगा तथा निकास मज़ार पहाड़ की ओर से होगा। मज़ार पहाड़ से कार्बाइंस कोव तट की ओर किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी, केवल दुपहिया वाहनों को छोड़कर।
2. कार्बिन चौक जंक्शन से कार्बाइंस कोव होते हुए मज़ार पहाड़ तक के मार्ग पर भारी मालवाहक वाहनों (एचजीवी) का प्रवेश उक्त अवधि के दौरान प्रतिबंधित रहेगा।
3. विल्ड्रन्स पार्क, चक्कर गांव से कार्बाइंस कोव रोड की ओर जाने वाला मार्ग होली उत्सव की अवधि के दौरान सामान्य वाहनों के लिए बंद रहेगा, केवल दुपहिया वाहनों को छोड़कर।

दक्षिण अण्डमान ज़िले के जिलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उपरोक्त यातायात प्रतिबंध 4 मार्च, 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक प्रभावी रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा उल्लिखित तिथि एवं समय तक प्रभावी रहेगा, जब तक कि इसे पूर्व में वापस न ले लिया जाए।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर संगोष्ठी एवं प्रतियोगिताएं हुई

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर द्वीपसमूह के विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 200 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत की उत्प्रेरक' विषय पर अंतर–महाविद्यालय छात्र विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में किया गया। डॉ. पी. प्रभु, वैज्ञानिक (पादप आनुवंशिक संसाधन), आईसीएआर–केंद्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने विद्यार्थियों को विज्ञान की नवीन उपलब्धियों से प्रेरित किया। 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान' विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में एस. जीव्या (एनकॉल) ने प्रथम, गुब्बला लक्ष्मी कल्याणी (डीब्राइट) ने द्वितीय, बी. विद्या कुमारी (टीजीसीई) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा ऋतिका ओझा (लक्ष इंस्टीट्यूट ऑफ शिक्षा) को सांत्वना पुरस्कार मिला। महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जे. दिनेश एवं जी. दीपक (डीब्राइट) ने प्रथम, मुन्ताना परवीन एवं बी. मुकिंद राव (डाइट) ने द्वितीय तथा रिका बिस्वास एवं प्रीति मजूमदार (टैगोर कॉलेज) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संगोष्ठी में आदिल शाह (टैगोर कॉलेज) प्रथम, पी. आलिया मजीद (अण्डमान लॉ कॉलेज) द्वितीय, आफरीन (एनकॉल) तृतीय रहीं तथा ए. वरुण कुमार (टैगोर कॉलेज) को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सप्ताहभर चले कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

कालीकट में बाल सभा सुदृढ़ीकरण पर प्रशिक्षण संचालित

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत 'बाल सभा के माध्यम से बच्चों की आवश्यकताओं का समाधान एवं बाल सभा सुदृढ़ीकरण' विषय पर सामुदायिक विकास खंड, प्रोथरापुर, दक्षिण अण्डमान द्वारा 27 फरवरी को ग्राम पंचायत कालीकट के सामुदायिक भवन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बाल सभाओं के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा ज़मीनी स्तर पर बच्चों की आवश्यकताओं एवं चिंताओं के समाधान के तंत्र को मजबूत करना था। ग्राम पंचायत कालीकट के प्रधान श्री यद्यंबरम ने बाल सभाओं के माध्यम से बच्चों को सशक्त बनाने एवं सामुदायिक विकास प्रक्रियाओं में उनकी सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रोथरापुर की बीडीओ श्रीमती गुरजीत कौर ने स्थानीय शासन में बाल सहभागिता के महत्व तथा बाल–अनुकूल गांव सुनिश्चित

करने में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका पर ज़ोर दिया। ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय की डोमेन विशेषज्ञ श्रीमती सी. विजया ने बाल सभाओं के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं सुदृढ़ीकरण पर विस्तृत सत्र संचालित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के अंत में डीडीयू–जीकेवाई के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

'टार्गेट टू लाख' पहल के तहत चूजों एवं घेंटलों का वितरण

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा 'टार्गेट टू लाख' पोल्ट्री पहल के अंतर्गत आज 19 लाभार्थियों (जिनमें जनजातीय किसान भी शामिल हैं) को 927 एक–दिवसीय चूजे (निकोबारी एवं ब्रॉयलर क्वेल नस्ल) तथा 10 लाभार्थियों को 13 घेंटले वितरित किए गए। यह वितरण चालू वित्तीय वर्ष में 2,00,000 से अधिक चूजों की आपूर्ति के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं जनजातीय परिवारों के लिए कम निवेश एवं अधिक लाभ वाले गतिविधि के रूप में बैकयार्ड पोल्ट्री एवं सूअरपालन को सुदृढ़ करना, अंडे एवं मांस की उपलब्धता बढ़ाकर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना, सतत आय सृजन तथा लघु किसानों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। चूज़ों एवं घेंटलों के साथ वैज्ञानिक पालन–पोषण, आहार, स्वास्थ्य देखभाल एवं प्रबंधन संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया ताकि उच्च जीवितता दर एवं उत्पादकता

सुनिश्चित की जा सके। दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के लाभार्थियों को प्राथमिकता दी गई। विभाग ने हैचरी स्टाफ, पशु चिकित्सा टीम, पीआरआई सदस्यों एवं किसानों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए 2,00,000 चूजों के लक्ष्य की प्राप्ति तक व्यापक वितरण एवं क्षमता–विकास कार्यक्रम जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अतिथि प्राध्यापक हेतु वॉक–इन इंटरव्यू 5 मार्च को

श्री विजय पुरम, 2 मार्च।

यहां के टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए इतिहास विषय में एक रिक्त अतिथि प्राध्यापक पद के पैनल में शामिल करने हेतु 5 मार्च को सुबह 10 बजे से वॉक–इन इंटरव्यू (डेमो/साक्षात्कार) आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार/डेमो से संबंधित सभी आवश्यक विवरण, आवेदन प्रपत्र, तिथि, समय, स्थल एवं अभ्यर्थियों के लिए निर्देश महाविद्यालय की वेबसाइट **http://tgce.and.nic.in** तथा नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में भरा हुआ आवेदन पत्र (वेबसाइट से डाउनलोड किया हुआ), बायोडाटा (सीवी), सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की स्वयं–सत्यापित प्रतियां, एक पासपोर्ट आकार का फोटो तथा मूल प्रमाणपत्र निर्धारित तिथि एवं समय पर डेमो/साक्षात्कार हेतु साथ लाने की सलाह दी गई है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गुप्तापारा की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या :क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/जीईएन/2025–26/205

कार्य का नाम : गुप्तापारा, ग्राम पंचायत के अंर्तगत मंगलुटान–। स्थित पंचायत भवन में वर्षा जल संचयन टैंक से शौचालयों तक सीपीवीसी पाइप लाइन बिछाने सहित 2 शौचालयों की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 10,05,111/–, धरोहर राशि : रु. 20,102/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 09/03/2026 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी 2026_RDPRI_22157_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

आरबीआई का सख्त आदेश, बैंकिंग ऐप से हटेंगे 'डार्क पैटर्न', जुलाई 2026 के बाद नहीं चलेंगे हिडन चार्ज

नई दिल्ली, 02 मार्च।

भारतीय रिजर्व बैंक ने करोड़ों बैंक ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक और बहुत जरूरी कदम उठाया है जो बैंकिंग सेवाओं में पारदर्शिता लाएगा। केंद्रीय बैंक ने बैंकों को अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप से उन सभी चालाकी भरी ट्रिक्स को हटाने का आदेश दिया है जो अक्सर ग्राहकों को गुमराह करती हैं। इन ट्रिक्स को 'डार्क पैटर्न' कहा जाता है जिनका इस्तेमाल ग्राहकों को अनचाही सेवाएं खरीदने या हिडन चार्जेस वसूलने के लिए मजबूर करने के लिए किया जाता रहा है। ट्ठप् के इस नए फैसले से अब डिजिटल ट्रांजेक्शन करना न केवल आसान होगा बल्कि ग्राहकों का अपनी मेहनत की कमाई और बैंकों पर भरोसा भी पहले से काफी ज्यादा बढ़ जाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 'रिस्पॉन्सिबल बिजनेस कंडक्ट अमेंडमेंट डायरेक्शंस, 2026' के माध्यम से बैंकों को जुलाई 2026 तक की सख्त मोहलत दी है ताकि वे अपनी सभी डिजिटल सेवाओं को पारदर्शी बना सकें। इस नए निर्देश के अनुसार बैंकों को अपने मोबाइल एप्लीकेशन और आधिकारिक वेबसाइटों से उन सभी डार्क पैटर्न को हटाना होगा जो ग्राहकों को किसी न किसी तरह से भ्रमित करते हैं। आरबीआई चाहता है कि बैंक अपने किसी भी वित्तीय उत्पाद या सेवा को बेचने से पहले ग्राहकों की स्पष्ट और लिखित सहमति लें ताकि भविष्य में किसी भी तरह के विवाद की गुंजाइश न रहे।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल होने वाली डार्क पैटर्न तकनीक का असली मकसद यूजर्स के व्यवहार को इस तरह प्रभावित करना होता है कि वे अनजाने में महंगी सेवाएं स्वीकार कर लें। इसमें अक्सर चेकआउट के दौरान चुपके से हिडन चार्ज जोड़ दिए जाते हैं या फिर बार–बार भ्रामक मैसेज भेजकर ग्राहकों को अतिरिक्त इंश्योरेंस या लोन जैसी सेवाएं खरीदने पर मजबूर किया जाता है। अब ट्ठप् इन सभी ट्रिक्स पर रोक लगाने जा रहा है ताकि ग्राहकों को यह स्पष्ट रूप से पता रहे कि वे आखिर किस

चीज के लिए भुगतान कर रहे हैं और वे किस सेवा के लिए साइन–अप कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार लोकलसर्कल्स ने 388 जिलों के 1,61,000 से अधिक लोगों के बीच एक व्यापक सर्वे किया जिसमें बैंकिंग एप्स की इन चालाकियों का बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस सर्वे में यह बात सामने आई कि ज्यादातर लोग इन छिपे हुए शुल्कों और परेशान करने वाले नोटिफिकेशन से तंग आ चुके हैं क्योंकि ये उनकी रोजमर्रा की बैंकिंग प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से जटिल बना देते हैं। सर्वे के इन परिणामों के बाद ही भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए यह कड़ा रुख अपनाया है ताकि देश के आम आदमी का पैसा और डिजिटल बैंकिंग पर उसका भरोसा दोनों पूरी तरह सुरक्षित रहें।

आरबीआई के इस कदम का मुख्य उद्देश्य मोबाइल बैंकिंग को अधिक सरल, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाना है क्योंकि आज के समय में लोग अपनी जमा–पूंजी के लिए पूरी तरह डिजिटल ट्रांजेक्शन पर निर्भर हो गए हैं। जुलाई 2026 के बाद बैंकों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे किसी भी उत्पाद की बंडलिंग न करें और ग्राहकों को उनकी मर्जी के बिना कोई भी अतिरिक्त सेवा या उत्पाद न थोपें। भविष्य में यह नीति न केवल ग्राहकों को वित्तीय नुकसान से बचाएगी बल्कि इससे बैंकिंग सेक्टर में एक स्वस्थ और पारदर्शी प्रतिस्पर्धा का नया दौर भी शुरू होगा जो सबके हित में है।

पुद्दुचेरी में शुरू हुआ देश का पहला 'डिजिटल खाद्य मुद्रा' पायलट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, 02 मार्च।

केंद्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के आधुनिकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को पुद्दुचेरी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम एमजीकेवाई) के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित 'डिजिटल खाद्य मुद्रा' पायलट प्रोजेक्ट का भव्य उद्घाटन किया।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने उद्घाटन के दौरान कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सीबीडीसी का एकीकरण भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एक क्रांतिकारी बदलाव है। हमारा लक्ष्य 'हर दाना, हर रुपया, हर हक' सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा और वितरण प्रक्रिया में अभूतपूर्व पारदर्शिता आएगी।

अब तक पुद्दुचेरी में खाद्य सब्सिडी सीधे बैंक खातों में भेजी जाती थी, लेकिन अब इसे सीबीडीसी वॉलेट में स्थानांतरित किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, मुत अनाज वितरण से परिवारों का भोजन पर होने वाला खर्च 50 प्रतिशत तक कम हो गया है जिससे लोग अब अपनी बचत का उपयोग दूध सब्जी और अन्य पौष्टिक वस्तुओं पर कर पा रहे हैं। पुद्दुचेरी में सफलता के बाद इस पायलट प्रोजेक्ट का विस्तार जल्द ही चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली समेत 3–4 अन्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में किया जाएगा। इसके बाद प्राप्त परिणामों के आधार पर इसे पूरे देश में लागू करने पर विचार किया जाएगा।

यूएई ने 165 बैलिस्टिक मिसाइलें और 541 ड्रोन निष्क्रिय किए, तीन विदेशी नागरिकों की मौत

अबू धाबी, 02 मार्च।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ईरानी हमले की शुरुआत (28 फरवरी, 2026) के बाद से देश की वायुसेना और एयर डिफेंस सिस्टम ने अब तक 165 बैलिस्टिक मिसाइलों, दो क्रूज मिसाइलों और 541 ड्रोन का सामना किया है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से अधिकांश खतरों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया गया।

मंत्रालय ने कहा कि कुल 165 बैलिस्टिक मिसाइलों में से 152 को मार गिराया गया, जबकि 13 समुद्र में गिरीं। दो क्रूज मिसाइलों का भी पता लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया गया। ड्रोन हमलों के संदर्भ में बताया गया कि 541 में से 506 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर ध्वस्त किया गया, जबकि 35 ड्रोन देश के भीतर गिरे, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

हमले के दूसरे दिन सुबह यूएई एयर फोर्स और एयर डिफेंस ने 20 बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट किया, जबकि आठ मिसाइलें समुद्र में जा गिरीं। इसी दौरान दो क्रूज मिसाइलों और 311 ड्रोन को भी मार गिराया गया। हालांकि, 21 ड्रोन आबादी वाले इलाकों तक पहुंचने में सफल रहे।

मंत्रालय के अनुसार, इन घटनाओं में पाकिस्तानी, नेपाली और बांग्लादेशी नागरिकों में से तीन लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा अमीराती, मिस्र, इथियोपियाई, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, ईरानी, भारतीय, बांग्लादेशी, श्रीलंकाई, अजरबैजानी, यमनी, युगांडा, इरिट्रिया, लेबनानी और अफगान नागरिकों सहित कुल 58 लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा मिसाइलों और ड्रोन को रोकने के दौरान गिरे मलबे से देश के विभिन्न हिस्सों में नागरिक संपत्तियों को हल्के से मध्यम स्तर तक नुकसान पहुंचा है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सशस्त्र बल किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बयान में जोर देकर कहा गया कि नागरिकों, निवासियों और आगंतुकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

इतिहास के पन्नों में 03 मार्च : क्रिकेट इतिहास का यादगार दिन, मुरलीधरन का 1000वां विकेट और लाहौर हमला

नई दिल्ली, 02 मार्च।

03 मार्च 2006 को श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने अपने करियर का 100वां टेस्ट मैच खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1000 विकेट पूरे किए। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह दुनिया के पहले गेंदबाज बने। मुरलीधरन ने अपने अनोखे एक्शन और घातक ऑफ स्पिन के दम पर बल्लेबाजों को वर्षों तक परेशान किया। टेस्ट और वनडे क्रिकेट में उनके नाम सैकड़ों विकेट दर्ज हैं। 1000 अंतरराष्ट्रीय विकेट का आंकड़ा छूना उनके असाधारण करियर का प्रतीक माना जाता है।

इत्तेफाक से 03 मार्च की तारीख श्रीलंका क्रिकेट से जुड़ी एक और घटना की भी गवाह है। 03 मार्च 2009 को पाकिस्तान के लाहौर में मैच खेलने जा रही श्रीलंका क्रिकेट टीम की बस पर हथियारबंद हमलावरों ने गोलियां चला दी थीं। टीम दोनों देशों के बीच चल रही टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खेलने स्टेडियम की ओर जा रही थी, तभी रास्ते में बस को निशाना बनाया गया। इस हमले में कई खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ घायल हुए। घटना के बाद मैच रद्द कर दिया गया और लंबे समय तक पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर विराम लग गया। 3 मार्च की ये दो घटनाएं क्रिकेट इतिहास में एक ओर जहां महान उपलब्धि की याद दिलाती हैं, वहीं दूसरी ओर खेल पर पड़े गंभीर सुरक्षा संकट की भी याद दिलाती हैं।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम– 1707 – शहजादा मुअज्जम को बहादुर शाह प्रथम के रूप में औरंगजेब के स्थान पर मुगल बादशाह बनाया गया।

1943 – महात्मा गांधी ने 21 दिन से चली रही अपनी भूख हड़ताल को समाप्त करने का फैसला किया।

1965 – अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।

1966 – बीबीसी ने अगले वर्ष से रंगीन टेलीविजन प्रसारण की अपनी योजना का ऐलान किया।

1971 – ऐसी खबर मिली कि चीन ने अपना दूसरा भू उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया है।

1973 – वन्यजीवों के संरक्षण के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय समझौते पर हस्ताक्षर।

1974 – तुर्की एयरलाइंस का जेट विमान डीसी 10 अंकारा से लंदन जाते हुए पेरिस के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त। हादसे में विमान में सवार सभी 345 लोगों की मौत।

1983 – नई दिल्ली में सातवें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन का आयोजन।

1999 – अब्दुल रहमान अरब मूल के ऐसे प्रथम व्यक्ति बने जिन्हें इजराइली सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया।

2005 – अमेरिका के रोमांच प्रेमी स्टीव फोसेट ने 67 घंटे तक लगातार बिना रूके उड़ान भरकर पृथ्वी का चक्कर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने विमान में ईंधन भी नहीं भरा।

2007 – पाकिस्तान ने हत्फ़–2 अब्दाली बेलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया।

2008 – मेघालय में नई विधानसभा के लिए चुनाव में 75 प्रतिशत मतदान हुआ। कन्या भ्रूण हत्या रोकने के केन्द्र सरकार ने धन लक्ष्मी नामक नई योजना शुरू की।

नई दिल्ली 23 साल बाद एसजेएफआई नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी करेगी, गोल्डन जुबली संस्करण होगा ऐतिहासिक

नई दिल्ली, 02 मार्च।

स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) का नेशनल कन्वेंशन 2026 आगामी 13 से 16 मार्च तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी को इस प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन की मेजबानी का अवसर मिला है। इस बार का संस्करण विशेष रूप से ऐतिहासिक होगा क्योंकि इसके साथ एसजेएफआई अपनी स्वर्ण जयंती (गोल्डन जुबली) भी मना रहा है। आयोजन की मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) द्वारा की जा रही है।

एसजेएफआई को विश्व खेल पत्रकार संगठन इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन (एआईपीएस) से मान्यता एवं संबद्धता प्राप्त है। चार दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण जोन से 250 से अधिक वरिष्ठ खेल पत्रकार, खेल प्रशासक, नीति–निर्माता, ओलंपिक खिलाड़ी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

इस विशेष गोल्डन जुबली संस्करण में 'ग्रैंड स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के शीर्ष खेल प्रशासक और ओलंपिक आइकन शामिल होंगे। इसके साथ ही जेके बोस इंटर–जोनल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट, एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट, मॉडर्न पायथियन गेम्स जैसी पारिवारिक और युवा गतिविधियां तथा भव्य फाइनल्स एवं समापन समारोह भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

डीएसजेए के अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और यह सम्मेलन ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने खेल मंत्रालय, खेल क्षेत्र की कंपनियों और भारतीय तीरंदाजी संघ के सचिव एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

स्वर्ण जयंती संस्करण एसजेएफआई के पांच दशक के योगदान को रेखांकित करेगा, जिसने प्रिंट से लेकर डिजिटल, प्रसारण और मल्टी–प्लेटफॉर्म पत्रकारिता तक भारतीय खेल मीडिया के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए जरूरी टिप्स, बिल्कुल नहीं रहेगा एग्जाम का स्ट्रेस

नई दिल्ली, 02 मार्च।

एग्जाम टाइम आते ही स्टूडेंट्स की रात की नींद और दिन का चैन उड़ जाता है। दिल की धड़कन और दिमाग का तनाव बढ़ जाता है। चिकित्सकीय भाषा में इस बेचैनी भरी स्थिति को एग्जाम स्ट्रेस या एंग्जायटी कहते हैं। इससे उबरने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

इस सच को स्वीकार करें कि आपको एग्जाम देना ही होगा। यह प्रगति के लिए जरूरी स्टेप है। इससे घबराने या दूर भागने से कुछ नहीं होगा। परीक्षाओं को सिर्फ बाधाओं के रूप में देखना बंद करें और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर या चुनौती के रूप में देखें। आपके प्रयास, आपके लचीलेपन, सीखने और विकसित होने की आपकी क्षमता से आपकी सफलता निर्धारित होती है, न कि चिंता या पलायन से।

इस बात का तनाव न लें कि आपके दूसरे सहपाठी परीक्षा की तैयारी कैसे कर रहे हैं? इस बात पर ध्यान दें कि आप क्या कर रहे हैं और क्या बेहतर कर सकते हैं? हो सकता है कि आपको लगे कि दूसरे सहपाठी बहुत बढ़िया कर रहे हैं, आपसे ज्यादा रिवीजन कर रहे हैं या फिर बड़े आराम से पढ़ रहे हैं। लेकिन ऐसा होता नहीं है, इसलिए बेहतर है कि आप अपने पर ज्यादा ध्यान दें।

सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए खुद को उत्साहित और प्रेरित करें। सुबह जरा जल्दी उठें ताकि आपके पास पढ़ने के लिए पर्याप्त समय हो। परीक्षा की चिंता अकसर तब होती है, जब आप तैयार नहीं होते हैं। खुद को ठोस तैयारी के साथ प्रिपेयर करके उस तनाव को दूर भगाएं। चिंताजनक विचारों या नकारात्मक विचारों जैसे कि 'मैं असफल हो जाऊंगा' या 'मैं यह नहीं कर सकता' का मुकाबला सकारात्मक विचारों या उत्साहवर्धक कथनों जैसे कि 'मैंने यह कर लिया' या 'मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा, मुझे अपना काम पता है' से करें। इन उत्साहवर्धक वाक्यों को लिखें और उन्हें अपने स्टडी एरिया के चारों ओर चिपका दें।

अपने पाठ्यक्रम को कुछ छोटे–छोटे भागों में विभाजित करें और एक स्टडी प्लान बनाएं, जो संतुलित हो। उस शेड्यूल पर पूरी मजबूती से टिके रहें। हर रोज पढ़ने का व्यवस्थित और व्यावहारिक रुटीन और संतुलित लक्ष्य तैयार

करें और इसका पूरी शिद्दत के साथ पालन करें। एक ही स्थान पर पढ़ने से बोरियत होती हो तो कभी अपने मकान की छत पर या एक से दूसरे कमरे में पढ़ने की जगह बदलते रहें। एक बार में एक ही चैप्टर या विषय ढंग से पढ़ें। अगर आपको लगता है कि आपकी योजना सही नहीं है, तो इसमें बदलाव करें। आपकी योजना, आपकी क्षमता तैयारी को नियंत्रित्र करने में मददगार होनी चाहिए, न कि आपको थकाने वाली। रिवीजन को अपनी रुटीन का हिस्सा जरूर बनाएं।

रात को आराम से सोएं और रोज सात–आठ घंटे की नींद जरूर लें। इससे ब्रेन को आराम मिलेगा और वह नई चीजें याद रखने के लिए तैयार होगा। ज्यादा देर तक पढ़ना महत्वपूर्ण नहीं, सही ढंग से पढ़ना जरूरी है। इस बात को सझें कि अगर आप विषय को समझ या ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं तो चाहे जितनी देर किताब लेकर बैठें, कोई फायदा नहीं होगा।

माइंड फ्रेश रखने के लिए डीप ब्रीदिंग करें। मेडिटेशन करें। चाहें तो भजन या बीच–बीच में एकाध मन पसंद गाने सुनें और भाई–बहनों या मित्रों के साथ हल्की गपशप और मजाक भी करें, इससे आपका माइंड फ्रेश रहेगा। अगर आपको लगता है कि आप अभी भी बहुत ज्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से बात करें, जिस पर आप भरोसा करते हों। चाहे वह माता–पिता, शिक्षक, मेंटर या मित्र हो। कभी–कभी सिर्फ चीजों के बारे में बात करने से ही आपको बेहतर महसूस हो सकता है और जिस व्यक्ति से आप बात करते हैं, वह आपको चीजों को सही नजरिए से देखने में मदद कर सकता है।

केवकंद: तना, जड़ और पत्तियों में छिपे हैं औषधीय गुण, शारीरिक कमजोरी को करेगा छूमंतर

नई दिल्ली, 02 मार्च।

आयुर्वेद में सदियों से दुर्लभ जड़ी–बूटियों से गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज होता आ रहा है। आयुर्वेद में कई ऐसी औषधियां मौजूद हैं जो शारीरिक कमजोरी और जोड़ों के लिए दवा की तरह काम करती हैं।ऐसी ही एक औषधि है केवकंद, जिसके पौधे की जड़, तना और पत्तियां भी गुणों से भरपूर होती हैं। जंगली अदरक को केवकंद, केमुआ और केमुक के नाम से भी जाना जाता है और ये भारत समेत विदेशों में भी आसानी से मिल जाता है, लेकिन इसके चमत्कारी गुणों के बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं।

वैसे तो केवकंद के फूल से लेकर पत्तियों का इस्तेमाल आयुर्वेद में होता आया है, लेकिन उसकी कंद (जंगली अदरक) या जड़ कई रोगों में लाभकारी है। आयुर्वेद में इसकी कंद को वात और कफ दोष को संतुलित करने वाला माना गया है। इसके कंद की सब्जी और सूप बनाकर भी पिया जाता है और सर्दियों में ज्यादा सेवन किया जाता है क्योंकि उसकी तासीर बेहद गर्म होती है।

अगर किडनी में पथरी की परेशानी है या फिर किडनी के कार्य करने की क्षमता कम हो गई है, तब जंगली अदरक का काढ़ा उपयोगी होता है। इसके काढ़े के सेवन से बार–बार पेशाब में जलन या बूंद–बूंद पेशाब आने की समस्या में कमी आई है और संक्रमण का खतरा भी कम होता है। इसके अलावा, जंगली अदरक का चूर्ण भी बाजार में आसानी से मिल जाता है, जिसके सेवन से शरीर की सूजन और गठिया के दर्द में राहत मिलती है।

अगर जंगली अदरक को भूनकर उसमें शर्करा और इमली मिलाकर चटनी बनाई जाती है, तो इसका सेवन

पेचिश, दस्त और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं में लाभकारी माना जाता है। इसके साथ ही खासकर बच्चों में पेट में कीड़े होने की परेशानी ज्यादा देखी जाती है। ऐसे में बच्चों को जंगली अदरक के रस को शहद में मिलाकर देने से आराम मिलेगा और पाचन तंत्र भी ठीक से काम करेगा।

मधुमेह के रोगी भी जंगली अदरक का सेवन कर सकते हैं। जंगली अदरक का काढ़ा बनाकर पिया जा सकता है और इसके पत्तों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि जंगली अदरक का सेवन करने से पहले एक बार चिकित्सक की सलाह जरूर लें। जहां केवकंद के इस्तेमाल के फायदें हैं, वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

केवकंद की तासीर गर्म होती है, जो शरीर में गर्मी और जलन भी पैदा कर सकती है, इसलिए इसके ज्यादा सेवन से बचना चाहिए। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। किसी भी गंभीर बीमारी, मधुमेह, या किडनी रोग में उपयोग से पहले आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 8.25 प्रतिशत निर्धारित की ब्याज दर

नई दिल्ली, 02 मार्च।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के लिए ब्याज दरों का ऐलान किया। सरकार एजेंसी ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर निर्धारित की है। यह लगातार दूसरा साल है जब ईपीएफओ ने ईपीएफ के लिए ब्याज दर को स्थिर रखा है।

ईपीएफ के लिए ब्याज दर तय करने का फैसला ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (सीबीटी) की ओर से किया जाता है। ईपीएफओ द्वारा वित्त वर्ष 2025–26 के लिए ब्याज दरों पर सीबीटी के फैसले को मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाएगा। सरकार की मंजूरी के बाद ईपीएफओ के 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स के खाते में ब्याज को क्रेडिट कर दिया जाएगा। इससे पहले ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 25 में भी ब्याज दरों को 8.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा था।

इससे पहले के वर्षों में ब्याज दरों के कई दशकों के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद इजाफा किया गया था। वित्त वर्ष 24 में ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो कि वित्त वर्ष 23 में 8.15 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 22 और वित्त वर्ष 21 में ईपीएफओ ने ईपीएफ

के लिए ब्याज दर 8.10 प्रतिशत निर्धारित की थी, जो कि करीब चार दशकों का निचला स्तर था। इससे पहले वित्त वर्ष 1978 में ब्याज दर 8 प्रतिशत थी। वहीं, ब्याज दर वित्त वर्ष 20 में 8.5 प्रतिशत थी और वित्त वर्ष 19 में 8.65 प्रतिशत थी।

ईपीएफ जमा पर ब्याज की गणना मासिक आधार पर की जाती है, लेकिन यह ग्राहकों के खातों में वित्तीय वर्ष के अंत में जमा किया जाता है। हालांकि, जो खाते 36 महीनों तक निष्क्रिय रहते हैं, उन पर कोई अतिरिक्त ब्याज नहीं मिलता क्योंकि उन्हें निष्क्रिय माना जाता है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा: नीति आयोग ने जारी की नई प्रशिक्षण पुस्तिकाएं

नई दिल्ली, 02 मार्च।

नीति आयोग ने सोमवार को बताया कि उसने अपनी राज्य सहायता मिशन (एसएसएम) के तहत प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में देश भर के किसान, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, नवाचार उद्यम, और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसका उद्देश्य टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा करना था।

इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता प्राकृतिक खेती पर नई प्रशिक्षण पुस्तिकाओं का हिंदी और अंग्रेजी में विमोचन रहा। इन पुस्तिकाओं को इस तरह तैयार किया गया है कि वे किसानों, कृषि विस्तार अधिकारियों और क्षेत्र स्तर के कार्यकर्ताओं को व्यावहारिक और क्षेत्र विशेष मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि वे प्राकृतिक खेती के तरीकों को प्रभावी ढंग से अपना सकें।

कार्यशाला में गुजरात और महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने वर्चुअल माध्यम से संबोधन किया। अपने संबोधन में उन्होंने टिकाऊ और किसान केंद्रित कृषि प्रणाली की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "प्राकृतिक खेती से मिट्टी की सेहत सुधर सकती है, रासायनिक लागत कम हो सकती है और समय के साथ किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है।"

चर्चा में कई प्रमुख कृषि और अनुसंधान संस्थानों ने भाग लिया, जिनमें जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय और गुजरात प्राकृतिक कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय शामिल थे। इन संस्थानों की भागीदारी से प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक पहलुओं और प्रमाणिकता पर चर्चा को मजबूती मिली। पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और ओडिशा के कृषि विज्ञान केंद्रों से किसान, कृषि अधिकारी और वैज्ञानिक कार्यशाला में शामिल हुए। इससे प्राकृतिक खेती की ओर देशव्यापी रुचि का पता चलता है।

केंद्र सरकार के प्रमुख विभागों और मंत्रालयों के अधिकारियों ने प्रमाणन, बाजार से जुड़ाव, वित्तीय सहायता और संस्थागत समन्वय जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए, ताकि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को सहयोग मिल सके। कार्यशाला में कृषि नवाचार उद्यम, सामाजिक संगठन, किसान उत्पादक समूह और अनुभवी विशेषज्ञ भी शामिल हुए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत में प्राकृतिक खेती का व्यापक तंत्र विकसित हो रहा है।

लगभग 19 विदेशी विश्वविद्यालय चालू शैक्षणिक सत्र में भारत में परिसर स्थापित करने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 02 मार्च।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) से भारत की तेजी से बढ़ती, नवाचार–आधारित और बहु–विषयक शिक्षा प्रणाली के साथ सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया है।

श्री प्रधान ने सोमवार को यहां सुषमा स्वराज भवन में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'स्टडी इन इंडिया' एडु–डिप्लोमैटिक कॉन्क्लेव 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली में व्यापक परिवर्तन हो रहा है और यह वैश्विक साझेदारी के लिए तैयार है। इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और कूटनीतिक मिशनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण, गुणवत्ता, नवाचार और सस्ती शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है और शिक्षा इस लक्ष्य की प्राप्ति का प्रमुख आधार है।

श्री प्रधान ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका सशक्त ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र, युवा जनसंख्या और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 'स्टडी इन इंडिया' पहल के माध्यम से वैश्विक विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव–प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और सतत ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत एक विश्वसनीय नवाचार साझेदार के रूप में उभर रहा है तथा 'ग्लोबल साउथ' मॉडल को आगे बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी ने कहा कि पिछले छह वर्षों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने उच्च शिक्षा

सुधारों को स्पष्ट दिशा दी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने के लिए पारदर्शी और समयबद्ध नियामक ढांचा लागू किया गया है।

सम्मेलन में भारतीय ज्ञान परंपरा, एसपीएआरसी और जियान के माध्यम से शैक्षणिक साझेदारी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उन्नत प्रौद्योगिकी, विदेशी विश्वविद्यालय परिसरों के लिए यूजीसी विनियम 2023, अंतरराष्ट्रीय कौशल ढांचा तथा 'भारत इनोवेट्स 2026' जैसे विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।

कॉन्क्लेव ने छात्र गतिशीलता, संयुक्त कार्यक्रमों, शोध सहयोग और अंतरराष्ट्रीय परिसरों की स्थापना जैसे क्षेत्रों में ठोस सहयोग के अवसर प्रस्तुत किए।

आज से देशभर में स्वास्थ्य जांच शिविरों के साथ शुरू हुआ 'जनऔषधि सप्ताह 2026'

नई दिल्ली, 02 मार्च।

किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'जनऔषधि सप्ताह 2026' आज से देशभर में स्वास्थ्य जांच शिविरों के साथ शुरू हुआ। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने बताया कि सप्ताह भर चलने वाला यह उत्सव 8वें जनऔषधि दिवस तक चलेगा। मंत्रालय ने बताया है कि इस कार्यक्रम के तहत, औषधि विभाग द्वारा इस महीने की 5 तारीख तक देशभर में 250 से अधिक स्थानों पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के पहले दिन, देशभर में लगभग 50 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में सामान्य स्वास्थ्य जांच और अन्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें मुत रक्त परीक्षण, रक्तचाप और थायरॉइड परीक्षण शामिल हैं। शिविरों में जनऔषधि की दवाओं का मुत वितरण भी किया गया। कई केंद्रों पर फिजियोथेरेपी परामर्श, नेत्र जांच और बाल स्वास्थ्य संबंधी पहल जैसी अतिरिक्त सेवाएं भी आयोजित की गईं।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत, देश भर में 18 हजार से अधिक जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं। मंत्रालय ने कहा है कि पीएमबीजेपी के तहत चल रहे प्रयास सभी के लिए किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करके भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार ने 2027 तक इस नेटवर्क को 25 हजार केंद्रों तक विस्तारित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिससे किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की अंतिम छोर तक पहुंच को मजबूत किया जा सके।

नागर विमानन मंत्रालय का यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष सक्रिय

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा है कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के मद्देनजर मंत्रालय का यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष हवाई यात्रियों की शिकायतों और प्रश्नों का समाधान कर रहा है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अब तक 411 यात्रियों की शिकायतों का समाधान किया गया है और एयरसेवा पोर्टल तथा हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को सहायता प्रदान की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों को भारतीय दूतावासों के हेल्पलाइन नंबर की भी जानकारी दी जा रही है। मंत्रालय ने यात्रियों को सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 011–24 60 42 83 और 011–24 63 29 87 पर संपर्क करने की सलाह दी है।

आज होगा पूर्ण चंद्र ग्रहण: भारत में कब और कैसे दिखाई देगा

नई दिल्ली, 02 मार्च।

3 मार्च, 2026 को पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ग्रहण पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के एक सीध में आने के कारण होता है। जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है तो पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है और यही स्थिति चंद्र ग्रहण कहलाती है। इस बार होने वाला ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जिसका मतलब है कि चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की छाया में चला जाएगा।

यह घटना खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए बेहद खास मानी जा रही है, क्योंकि पूर्ण चंद्र ग्रहण के दौरान चंद्रमा का रंग हल्का लाल या तांबे जैसा दिखाई देने लगता है।

खगोल वैज्ञानिकों के अनुसार 3 मार्च 2026 को लगने वाला यह पूर्ण चंद्र ग्रहण भारतीय समयानुसार शाम के समय शुरू होगा। सामान्य तौर पर ग्रहण की शुरुआत करीब शाम 3 बजकर 20 मिनट के आसपास मानी जा रही है और इसका समापन लगभग शाम 6 बजकर 48 मिनट तक होगा।

ग्रहण का मुख्य चरण यानी पूर्ण चंद्र ग्रहण का समय लगभग शाम 4 बजकर 34 मिनट से शुरू होकर करीब 5 बजकर 33 मिनट तक रहने की संभावना है। इस दौरान चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की छाया में होगा और आकाश में इसका दृश्य बेहद अलग दिखाई देगा।

भारत के उत्तर–पूर्वी हिस्सों और अंडमान–निकोबार द्वीप समूह के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में यह ग्रहण देखा जा सकेगा। यदि मौसम साफ रहा तो लोग खुले आसमान में इसे आसानी से देख सकेंगे।

3 मार्च 2026 का यह चंद्र ग्रहण केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा। यह पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर क्षेत्र और अमेरिका के कई हिस्सों में भी दिखाई देगा। इसलिए दुनिया के कई देशों में लोग इस खगोलीय घटना का आनंद ले सकेंगे।

खगोल विशेषज्ञों का कहना है कि चंद्र ग्रहण को देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती। इसे सामान्य आंखों से सुरक्षित रूप से देखा जा सकता है। हालांकि यदि दूरबीन या टेलीस्कोप का उपयोग किया जाए तो चंद्रमा के रंग और सतह में होने वाले बदलाव अधिक स्पष्ट दिखाई देते हैं।

पूर्ण चंद्र ग्रहण के दौरान अक्सर चंद्रमा का रंग लाल या नारंगी दिखाई देता है। इसे सामान्य भाषा में ब्लड मून भी कहा जाता है। इसका कारण पृथ्वी का वातावरण होता है।

जब सूर्य की रोशनी पृथ्वी के वातावरण से होकर गुजरती है, तो नीली रोशनी बिखर जाती है और लाल रंग की किरणें चंद्रमा तक पहुंचती हैं। यही वजह है कि पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा हल्का लाल दिखाई देता है।

यह पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक दृष्टि से बेहद रोचक है और इसी कारण खगोल वैज्ञानिक इस घटना का विशेष अध्ययन भी करते हैं।

अफगानिस्तान के भारत दौरे का कार्यक्रम घोषित, जून में न्यू चंडीगढ़ करेगा पहले टेस्ट की मेजबानी

नई दिल्ली, 02 मार्च।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को अफगानिस्तान के भारत दौरे के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। न्यू चंडीगढ़ का मैदान जून में एक ऐतिहासिक पल का गवाह बनने जा रहा है। यह मैदान 6 से 10 जून के बीच भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही न्यू चंडीगढ़ भारत का 31वां टेस्ट वेन्यू बन जाएगा। यह मुकाबला अफगानिस्तान के भारत दौरे का हिस्सा होगा।

अब तक इस मैदान पर आईपीएल मैच, एक पुरुष टी–20 अंतरराष्ट्रीय और कुछ महिला वनडे मुकाबले खेले जा चुके हैं, लेकिन यह पहला अवसर होगा जब यहां पांच दिवसीय टेस्ट मैच आयोजित किया जाएगा। मैच की शुरुआत प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) होगी।

अफगानिस्तान का यह दौरा केवल टेस्ट मैच तक सीमित नहीं रहेगा। टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। पहला वनडे 14 जून 2026 को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ में और तीसरा 20 जून को चेन्नई में आयोजित होगा। तीनों वनडे मुकाबले दोपहर 1:30 बजे से शुरू होंगे।

अफगानिस्तान ने आखिरी बार भारत में 2024 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी, जो तीन मैचों की टी–20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला थी। भारत में दोनों टीमों के बीच अब तक केवल एक टेस्ट मैच खेला गया है, जो 2018 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित हुआ था।

अफगानिस्तान का भारत दौरा कार्यक्रम:

एकमात्र टेस्ट: 6–10 जून, न्यू चंडीगढ़–सुबह 9:30 बजे

पहला वनडे: 14 जून, धर्मशाला–दोपहर 1:30 बजे

दूसरा वनडे: 17 जून, लखनऊ– दोपहर 1:30 बजे

तीसरा वनडे: 20 जून, चेन्नई– दोपहर 1:30 बजे

यह दौरा दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से, जहां अफगानिस्तान को भारत की मजबूत टीम के खिलाफ खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।

होली मनाने के लिए उदयपुर बना विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद, ये जगहें भी हैं लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली, 02 मार्च।

होली का त्योहार करीब आते ही हवाएं रंगीन नजर आने लगती है। हिंदू धर्म का यह पर्व दुनियाभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान लोग सिर्फ गुलाल नहीं उड़ाना चाहते, बल्कि वे इस त्योहार को इसके असली और पारंपरिक अंदाज में जीना चाहते हैं। आंकड़ों के मुताबिक लोग शाही महलों, प्राचीन मंदिरों और ऐतिहासिक झीलों के किनारे होली का जश्न मनाने के लिए जमकर होटल सर्च कर रहे हैं।

देश में तो होली का क्रेज देखने को मिलता ही है, लेकिन विदेशों में भी लोग इस त्योहार के दीवाने होते जा रहे हैं। भारत के इस रंग–बिरंगे त्योहार का क्रेज विदेशों में भी खूब है। डेटा बताता है कि मलेशिया, थाईलैंड, जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया से कई लोग होली मनाने भारत आ रहे हैं। विदेशी पर्यटकों की पसंद की बात करें तो:

उदयपुर: इसके लिए सर्च में 459% का भारी उछाल देखा गया है।

जयपुर: विदेशी पर्यटकों की सर्च में जयपुर में 191% की बढ़ोतरी हुई है।

भारत में भी पहली पसंद बना राजस्थान

जयपुर (282% की बढ़ोतरी): लोग आमेर किले और शाही अंदाज वाली होली का अनुभव लेने के लिए सबसे ज्यादा जयपुर का रुख कर रहे हैं।

उदयपुर (233% का उछाल): झीलों के सुंदर नजारे, पुरानी वास्तुकला और हेरिटेज होटलों में होने वाले होली के आयोजनों के कारण यह शहर पर्यटकों को बहुत लुभा रहा

है।

पुष्कर (195% की वृद्धि): पुष्कर झील और इसके 52 घाटों पर लोगों के साथ मिलकर सामूहिक होली खेलने का मजा लेने के लिए भारी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं।

वृंदावन (126% उछाल): यहां की मशहूर 'फूलों की होली' और भजन–कीर्तन वाले भक्तिमय माहौल में डूबने के लिए यह लोगों की पहली पसंद है।

मथुरा (109% वृद्धि): भगवान कृष्ण की जन्मभूमि की तंग गलियों और मंदिरों में होने वाली सदियों पुरानी पारंपरिक होली देखने के लिए पर्यटकों की भारी भीड़ जुट रही है।

हम्पी, कर्नाटक (128% की बढ़ोतरी): यूनेस्को की विश्व धरोहर वाले हम्पी के प्राचीन खंडहर और मंदिर प्रांगण होली के दौरान एक अलग ही रंग में नजर आते हैं, जिसे जिसे देखने लोग जा रहे हैं।

शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल (43% उछाल): यहां रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा शुरू किया गया 'बसंत उत्सव' मनाया जाता है। इसी का आनंद लेने के लिए लोग यहां आ पहुंच रहे हैं।

Reels-Shorts बनाने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी, अब एआई बनाएगा दमदार वीडियो

नई दिल्ली, 02 मार्च।

Google ने अपने एआई वीडियो जनरेशन मॉडल Veo 3.1 को बड़ा अपग्रेड दे दिया है। इस नए अपडेट के बाद अब क्रिएटर्स को पहले से ज्यादा बेहतर क्वालिटी, सटीक प्रॉम्प्ट समझ और स्टेबल कैरेक्टर के साथ वीडियो मिलेंगे। सबसे अहम बदलाव यह है कि अब Veo 3.1 में Shorts और Reels के लिए नेटिव वर्टिकल वीडियो सपोर्ट जोड़ दिया गया है। यानी अब वीडियो को क्रॉप करने या फ्रेम बिगड़ने का झंझट पूरी तरह खत्म होने वाला है।

गूगल ने Veo 3.1 में अपने Ingredients to Video फीचर को काफी एडवांस बना दिया है। अब यूजर्स सिर्फ एक रेफरेंस इमेज और छोटा सा टेक्स्ट प्रॉम्प्ट देकर भी आकर्षक वीडियो बना सकते हैं। पहले जहां लंबा और डिटेल्ड प्रॉम्प्ट जरूरी होता था, अब कुछ शब्दों में ही स्टोरी, डायलॉग और सिनेमैटिक फील मिल जाती है। Google का कहना है कि नया मॉडल सीन के बीच कैरेक्टर और ऑब्जेक्ट्स को पहले से ज्यादा कंसिस्टेंट तरीके से दिखाता है।

Veo 3.1 की सबसे बड़ी खासियत है इसका बेहतर कैरेक्टर कंसिस्टेंसी सिस्टम। गूगल के मुताबिक, अब वीडियो के दौरान कैरेक्टर का चेहरा, बॉडी स्ट्रक्चर और ओवरऑल अपीयरेंस एक जैसा बना रहेगा। इतना ही नहीं, बैकग्राउंड, टेक्सचर और प्रॉप्स को भी अलग–अलग सीन में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे छोटे–छोटे क्लिप्स को जोड़कर एक लंबी और एकसार कहानी बनाना बेहद आसान हो जाएगा।

गूगज ने Veo 3.1 में 9:16 आस्पेक्ट रेशियो का नेटिव

सपोर्ट जोड़ा है। इसका सीधा मतलब है कि अब एआई खुद ही वर्टिकल फॉर्मेट में वीडियो जनरेट करेगा। क्रिएटर्स बिना किसी एडिटिंग या क्रॉपिंग के इन वीडियो को YouTube Shorts, Instagram Reels और TikTok पर सीधे अपलोड कर पाएंगे। Google का दावा है कि यह फीचर मोबाइल–फर्स्ट प्लेटफॉर्म्स पर काम करने वाले क्रिएटर्स का वर्कलो काफी आसान बना देगा।

Google ने Veo 3.1 में वीडियो आउटपुट क्वालिटी को भी अपग्रेड किया है। अब 1080p वीडियो ज्यादा शार्प और क्लियर होंगे, साथ ही 4के अपस्केलिंग का ऑप्शन भी जोड़ा गया है। हालांकि, सभी प्लेटफॉर्म्स पर हाई–रिजॉल्यूशन एक्सपोर्ट अभी उपलब्ध नहीं है। नया Ingredients to Video फीचर फिलहाल YouTube Shorts, YouTube Create ऐप और Gemini ऐप में मिल रहा है। वहीं, बिजनेस यूजर्स और डेवलपर्स इसे Flow ऐप, Gemini API, Vertex AI और Google Vids के जरिए इस्तेमाल कर सकते हैं।